राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सादर प्रकाशनार्थ :-

जयपुर, 20 नवम्बर। केन्द्र सरकार द्वारा तीन काले कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करने पर आज अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जयपुर स्थित सिविल लाईन्स फाटक पर किसान आंदोलन में शहादत देने वाले किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु सभा आयोजित कर किसान विजय दिवस मनाया गया। किसान विजय दिवस के अवसर पर आयोजित सभा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राजस्थान प्रभारी श्री अजय माकन, मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा सहित राजस्थान सरकार के मंत्री, विधायक/प्रत्याशी, सांसद/प्रत्याशी, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सभा को सम्बोधित करते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि देश के किसान जिन्होंने केन्द्र द्वारा पारित तीन काले कृषि कानूनों की वापसी हेतु 12 माह से अधिक समय तक सड़कों पर बैठकर संघर्ष किया वो साधुवाद के पात्र है। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान शहादत देने वाले किसानों एवं उनके परिवारों को सभी कांग्रेस कार्यकर्ता दिल से नमन करते हैं एवं श्रद्धांजलि अर्पित करते है। उन्होंने कहा कि काले कानूनों की वापसी देश के अन्नदाता किसानों की जीत है, भारत माता के सपूतों की जीत है तथा प्रधानमंत्री मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह के अहंकार की हार है। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का षड्यंत्र परास्त हुआ है। उन्होंने कहा कि किसानों ने कभी हार नहीं मानी जब-जब किसानों पर संकट आया है, किसान और ज्यादा मजबूत होकर लोगों का पेट पालने के लिए अपने कार्य में जुट जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब पहली बार सत्ता में आये तो उन्होंने पहला कार्य भूमि अधिग्रहण बिल जो कि यूपीए सरकार के दौरान सभी दलों की सहमति से पारित हुआ था को संशोधन कर अपने पूंजीपति मित्रों को किसानों की जमीन देने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण बिल के संशोधन के विरूद्ध किसानों के लिए श्री राहुल गाँधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने लड़ाई लड़ी, पूरे देश ने कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया और मोदी सरकार को उक्त संशोधन वापस लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की प्रारम्भ से ही किसान विरोधी नीति रही है। श्री मोदी ने प्रधानमंत्री बनने से पूर्व जितने वादे किए थे उनमें से एक भी वादा पूर्ण नहीं किया, श्री मोदी ने किसानों से स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने, आमदनी दुगुनी करने, किसानों को मिलने वाले पेट्रोल-डीजल पर वैट कम करने के साथ ही खाद, बीज एवं उरर्वक पर टैक्स

2....

Created by Universal Document Converter

कम करने तथा कृषि उपकरणों पर टैक्स हटाने का वादा किया था किंतु पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि श्री मोदी सेना के शौर्य के पीछे छुपकर दुबारा सत्ता में आ गए किंतु पूर्व कार्यकाल के दौरान किसानों के विरूद्ध रची साजिश जिसके तहत् किसान की जमीन के साथ ही जमीन से उत्पन्न होने वाली ऊपज पर कब्जा करने के षड्यंत्र के तहत् उन्होंने तीन काले कृषि कानून देश के किसानों पर थोप दिए। उन्होंने कहा कि चुनावों में बड़े-बड़े उद्योगपतियों से चंदा लेने पर बंद कमरों में किसानों के विरूद्ध षड्यंत्र किए गए। उन्होंने कहा कि इन तीन काले कृषि कानूनों की माँग कभी किसान ने नहीं की थी, ना ही किसी संसद सदस्य अथवा विधानसभा के सदस्य ने की। इन कानूनों की माँग ना तो किसी किसान नेता और ना ही किसी किसान संगठन ने की थी किंतु श्री नरेन्द्र मोदी एवं श्री अमित शाह व उनके चंद पूंजीपति मित्रों के दिमाग की ऊपज यह तीन काले कृषि कानून है जो कि किसान की पैदावार पर कब्जा करवाने का षड्यंत्र जो चुनावी चंदा लेते समय उद्योगपति मित्रों को प्रतिफल देने की क्रियान्वित के रूप में किया गया। उन्होंने कहा कि जब केन्द्र सरकार द्वारा तीन काले कृषि कानून पारित हुए तो श्रीमती सोनिया गाँधी एवं श्री राहुल गाँधी ने कहा कि जब-जब किसान पर विपदा आयी है कांग्रेस पार्टी हमेशा किसान के साथ खड़ी रही है, क्योंकि किसान और कांग्रेस का चोली-दामन का साथ है। उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा चलाया गया आंदोलन पूर्ण रूप से गैर राजनीतिक था तथा कांग्रेस नेता श्री राहुल गाँधी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने यह कानून लागू कर किसानों के साथ धोखा किया है। श्री राहुल गाँधी ने कहा था कि केन्द्र सरकार को यह तीनों काले कृषि कानून वापस लेने ही पड़ेंगे और ऐसा ही हुआ। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गाँधी के नेतृत्व में इन तीनों काले कृषि कानूनों के विरूद्ध पंजाब से ट्रैक्टर रैली निकालकर किसान आंदोलन प्रारम्भ किया तथा राजस्थान के लाखों किसानों ने श्री राहुल गाँधी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मकराना में लाखों किसानों ने श्री राहुल गाँधी के नेतृत्व में रैली निकाली तथा श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ में लाखों किसानों के साथ सम्मेलन कर अपनी एवं कांग्रेस पार्टी की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा आंदोलन उस अन्नदाता ने चलाया जिसके वोट से श्री नरेन्द्र मोदी एवं श्री अमित शाह सत्ता में आये थे जबकि मोदी एवं शाह किसानों से किए गए वादे सत्ता में आते ही भूल गए। उन्होंने कहा कि किसान कानूनों की वापसी के साथ यह लड़ाई समाप्त नहीं हुई है बल्कि प्रारम्भ हुई है, यह विजय हमारे संघर्ष की पहली सीढ़ी है जिसके तहत् मोदी सरकार का किसानों के विरूद्ध षड्यंत्र विफल किया गया है लेकिन किसानों से जो वादे मोदी जी ने किए थे उन्हें पूरा करवाने हेतु संघर्ष अभी शेष है। उन्होंने कहा कि देश में बढ़ती महँगाई से किसानों के साथ ही सभी वर्ग त्रस्त है। महँगाई कम करने का वादा मोदी सरकार भूल चुकी है। देश के युवा रोजगार चाहते है, रेलवे सहित केन्द्रीय सरकार के विभागों में भर्तियाँ निकालने की माँग कर रहे है, दो करोड़ नौकरियां प्रतिवर्ष देने का वादा मोदी जी ने किया था परन्तु प्रधानमंत्री इस वादे को भी भूल चुके है। उन्होंने कहा कि आज किसानों की एकता ने मोदी सरकार को घुटने टिकाने पर मजबूर किया है तथा कांग्रेस की मोदी सरकार के विरूद्ध लड़ाई

3....

Created by Universal Document Converter

अब प्रारम्भ होगी। मोदी जी द्वारा जनता से किए गए वादों को पूरा करवाने के लिए कांग्रेस के सभी नेता एवं कार्यकर्ता गाँव-गाँव, ढाणी-ढाणी जाकर मोदी सरकार के विरूद्ध अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले सात दिवस में कांग्रेस द्वारा बढ़ती महँगाई के विरूद्ध जन जागरण अभियान चलाया गया। जिसके तहत् कांग्रेस कार्यकर्ता गाँव, ढाणी होते हुए बूथ स्तर तक जनता के बीच गए। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार किसानों के हित के लिए कार्यरत है एवं किसानों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने कृषि कनेक्शन पर 12 हजार प्रतिवर्ष अनुदान देने का कार्य किया है, साथ ही राजस्थान सरकार ने किसानों के 18 हजार करोड़ के ऋण माफ किए है। उन्होंने कहा कि प्रशासन गाँवों के संग अभियान के तहत् किसानों की समस्या का निस्तारण उन्हीं गाँव, ढाणी और घर जाकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण हेतु राजस्थान सरकार अलग से कृषि बजट पेश करेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार एवं संगठन आपसी समन्वय के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रभारी राजस्थान श्री अजय माकन के मार्गदर्शन में किसानों एवं जनकल्याण हेतु कार्य कर रहे है जिसके फलस्वरूप राजस्थान की जनता आज कांग्रेस के साथ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आमजनता के बीच जाकर मोदी सरकार की सच्चाई ऊजागर करने का अभियान चलाएगी जिसके तहत् मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं उद्योगपति मित्रों के फायदे हेतु केन्द्र सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि श्री मोदी कांग्रेस को मिटाना चाहते है, धर्म के नाम पर भाई से भाई को लड़वाना चाहते है तथा किसानों को समाप्त करना चाहते है, यह बात जन-जन तक पहुँचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों से किए गए वादों को केन्द्र सरकार से पूरे करवाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता कमर कस संघर्ष करेंगे तथा 2024 में मोदी सरकार को ऊखाड़ फेंकने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि देश के लिए शहादत देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी एवं श्री राजीव गाँधी की पार्टी के कार्यकर्ता जो श्रीमती सोनिया गाँधी एवं श्री राहुल गाँधी के सिपाही है, सीबीआई एवं ईडी के दबाव से नहीं डरते है, क्योंकि दुनिया जानती है कि कांग्रेस पार्टी ने 70 वर्ष में अपने लिए कुछ नहीं किया और देश के लिए ही कार्य किया है जबकि भारतीय जनता पार्टी के 7 वर्ष के शासन में ही दिल्ली में 100 करोड़, शहरों में 10-15 करोड़ तथा ब्लॉक स्तर पर 5 करोड़ के दफ्तर काले धन की सहायता से बने है। उन्होंने कहा कि श्री माकन के मार्गदर्शन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी और मजबूती के साथ राजस्थान में कार्य करेगी तथा राजस्थान सरकार की जनहितकारी नीतियों का लाभ सभी लोगों को मिले, इस संकल्प के साथ सभी नेता और कार्यकर्ता कार्य करेंगे।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व राजस्थान प्रभारी श्री अजय माकन ने कहा कि आज राजस्थान सहित पूरे देश में लाखों कांग्रेस कार्यकर्ता किसान विजय दिवस मना रहे है। उन्होंने कहा कि तीन काले कृषि कानूनों की वापसी

4....

Created by Universal Document Converter

किसानों के संघर्ष की जीत है। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के तहत् 700 से अधिक किसान शहीद हुए, उनकी शहादत को नमन करते हुए किसान विजय दिवस मना रहे है। उन्होंने कहा कि 14 जनवरी, 2021 को पंजाब में ट्रेक्टर रैली निकालकर श्री राहुल गाँधी ने किसान आंदोलन प्रारम्भ किया था। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गाँधी द्वारा दिया गया बयान ऐतिहासिक बन गया जिसमें उन्होंने कहा था कि ''मेरी बात नोट कर ले कि मोदी जी को यह तीनों काले कृषि कानून वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा'' उनकी बात सही साबित हुई। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की नीयत पर उन्हें संदेह है क्योंकि कानून वापस लेने की घोषणा किसानों को खुश करने के लिए नहीं है बल्कि आगामी प्रदेशों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर लिया गया फैसला है जिसके कारण हमें चौकन्ना रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी किसान समर्थक नहीं हो सकती बल्कि केवल पूंजीपतियों के हितों को साधने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि 19 नवम्बर, 2021 को प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि आगामी संसद सत्र में बिल वापस लेने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी किंतु 5 दिन पूर्व ही ऑर्डिनेन्स के माध्यम से सीबीआई एवं ईडी के निदेशकों के कार्यकाल को बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि जब ऑर्डिनेन्स के माध्यम से निदेशकों के कार्यकाल बढ़ाए जा सकते है तो इन तीन काले कृषि कानूनों को ऑर्डिनेन्स के माध्यम से वापस क्यों नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि जब यह तीन काले कृषि कानून अध्यादेश के माध्यम से लागू हो सकते है तो इन्हें अध्यादेश के माध्यम से वापस लेने की बजाए संसद सत्र में वापस लेने की घोषणा क्यों की गई, सरकार का यह कदम संदेश उत्पन्न करता है, इस कारण हमें चौकन्ना रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गाँधी का इतिहास है कि जब-जब किसानों पर प्रहार हुआ है, राहुल गाँधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने संसद से लेकर सड़क तक संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के हितों के लिए संघर्ष करने के लिए कभी पीछे नहीं रहती है।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है क्योंकि देश के इतिहास के पन्नों में यह लिखा जाएगा कि प्रधानमंत्री को आज देश की जनता से माफी माँगनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गाँधी ने देश के सामने जो भी बाते रखी है वो पूरी हुई है। श्री राहुल गाँधी ने कहा था कि देश में कोरोना को लेकर सावचेत किया था किन्तु केन्द्र की अनदेखी के कारण देश को कोरोना की घातक लहर का सामना करना पड़ा एवं केन्द्र सरकार के कुप्रबन्धन के कारण दवा, ऑक्सीजन की कमी से लोगों में हाहाकार मच गया। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गाँधी ने कहा था केन्द्र सरकार को काले कानून वापस लेने पड़ेंगे और ऐसा ही हुआ। उन्होंने कहा कि केन्द्र द्वारा पारित तीनों काले कृषि कानूनों को निष्फल करने हेतु राजस्थान सरकार ने विधानसभा में तीन कानून पारित किए जिन्हें राज्यपाल महोदय ने मंजूरी हेतु आगे नहीं भेजा किंतु अब इन कानूनों की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि वे बार-बार चेताते है कि देश में एनडीए सरकार ने खतरनाक माहौल बना दिया है, लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में है। उन्होंने कहा कि फासीवादी विचारधारा के लोग सत्ता में बैठे है जिनका

5....

Created by Universal Document Converter

लोकतंत्र में यकीन नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि सत्ता में बैठी केन्द्र सरकार का लोकतंत्र में विश्वास होता तो एक वर्ष से अधिक समय से देश का किसान को अपनी माँगों को मनवाने के लिए सड़कों पर नहीं बैठना पड़ता। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार है कि अन्नदाता को अपनी माँग मनवाने के लिए इतना लम्बा संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि मोदी जी को गलतफहमी थी कि दिल्ली के केवल तीन बॉर्डर किसान बैठे है जबकि उन्हें यह सच्चाई मालूम नहीं थी कि यह सभी देशभर के किसानों के प्रतिनिधित्व कर रहे है। उन्होंने कहा कि दु:ख का विषय है कि किसान आंदोलन के दौरान 700 से अधिक किसानों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने किसानों एवं उनके आंदोलन को लेकर अनर्गल बयानबाजी करते हुए कई तरह के आरोप लगाए किंतु कभी यह नहीं सोचा कि इन बातों से देश के अन्नदाता और उनके परिजनों को कितनी पीड़ा होती होगी। उन्होंने कहा कि कल प्रधानमंत्री ने किसानों से माफी माँगी है किंतु संसद सहित अन्य स्थानों पर किसानों के विरूद्ध पूर्व में प्रधानमंत्री जी द्वारा लटके-झटकों के साथ जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, उसकी पोल देश के सामने खुल गई है और माफी माँगते समय प्रधानमंत्री जी अपने लटके-झटके भूल गए। उन्होंने कहा कि यूपी, पंजाब सहित अन्य राज्यों में चुनाव होने है इसलिए केन्द्र सरकार डरी हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों में तो मोदी जी ने धोखे से सरकारें बना ली। उन्होंने कहा कि मणिपुर, गोवा समेत कई राज्यों में कांग्रेस के बहुमत के बावजूद भाजपा ने सरकार बना ली किंतु अब इनकी हालत खराब है जिस कारण प्रधानमंत्री खुद यूपी में 3 दिन के लिए डेरा डाल रहे है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने डर के कारण उत्तरप्रदेश को तीन संभागों में विभक्त कर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा, केन्द्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं अपने आप को चाणक्य कहलाने वाले गृह मंत्री श्री अमित शाह को चुनाव की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि अमित शाह जो अपने आप चाणक्य कहलवाना पसंद करते है कि चाणक्यगिरी की पोल बंगाल में खुल चुकी है। भारतीय जनता पार्टी ने कर्नाटक एवं मध्यप्रदेश में कांग्रेस के बहुमत वाली सरकारों को गिरा दिया किंतु जनता के आशीर्वाद वाली राजस्थान की कांग्रेस सरकार को गिराने में सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि देश बड़े संकट का सामना कर रहा है, भाजपा सरकार के केन्द्रीय मंत्री खुलेआम जनता को धमकी दे रहे है और उनके पुत्र ने उत्तरप्रदेश में किसानों की गाड़ी से रौंद कर हत्या कर दी। इस घटना को लेकर माननीय उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि उत्तरप्रदेश सरकार के अनुसंधान पर विश्वास नहीं है फिर भी केन्द्रीय मंत्री का इस्तीफा नहीं लिया गया इस घटना से यह समझा जा सकता है कि देश किस दिशा में जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों में कांग्रेस की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा कि मोदी जी कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते हैं किंतु उन्हें यह जानना चाहिए कि जब तक सूरज-चाँद रहेगा, कांग्रेस पार्टी का नाम रहेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश में विचारधारा की लड़ाई लड़ती है, जबकि भारतीय जनता पार्टी गुमराह कर सत्ता हासिल करती है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर आग लगाना आसान है लेकिन बुझाना मुश्किल है।

6....

Created by Universal Document Converter

उन्होंने कहा कि धर्म पर राजनीति करने वाली भाजपा सत्ता प्राप्ति का घमण्ड करती है जबकि यदि हिम्मत है तो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जो अपने आप को सांस्कृतिक संगठन बताने का नाटक करता है एवं भाजपा का आवरण पहन राजनीति करता है, खुद भाजपा को अपने में विलय कर चुनाव लड़े जिससे दो विचारधाराओं का आमना-सामना हो सकेगा। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में संघर्ष करने वाले किसानों को वे समस्त प्रदेशवासियों की ओर से नमन करते है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा तीनों काले कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला किसानों के संघर्ष, धैर्य एवं आत्मविश्वास की जीत है, जबकि इस आंदोलन को बदनाम करने में सत्ताधारियों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास के काले पन्नों पर यह इतिहास लिखा जाएगा कि भाजपा के शासन के दौरान विषम परिस्थितियों में किसानों ने इतना बड़ा आंदोलन चलाया जिसमें कई किसानों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। उन्होंने कहा कि इन काले कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ऐसा समय चुना जब सभी लोग अपने-अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त रहते है, क्योंकि उनके मन में चोर था।

उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से 17 दिसम्बर, 2021 को कांग्रेस सरकार के तीन वर्ष पूर्ण हो रहे है। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यकाल का अधिकांश समय कोरोना महामारी में निकल गया किंतु जो अल्पसमय सरकार को मिला उसमें सरकार ने प्रदेश के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा कोरोना महामारी का प्रबन्धन जिस प्रकार से किया उसकी सराहना सम्पूर्ण विश्व ने की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में तीनों बजट प्रदेश के विकास एवं जनकल्याण को समर्पित रहे है तथा आगे भी राजस्थान सरकार जनता के कल्याण के लिए बजट पेश करेगी तथा किसानों के कल्याण के लिए अलग से बजट प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वादा किया था कि किसानों को मिलने वाली बिजली की दरें नहीं बढ़ाई जाएगी और सरकार ने उन्हें यथावत रखा है इसके साथ ही किसानों को 1000 रुपये प्रतिमाह बिजली बिलों में छूट प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि किसानों को पेंशन दी जा रही है साथ ही 21 लाख किसानों को ऋण माफी का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार किसान एवं गरीबों के उत्थान के लिए समर्पित है तथा आगे भी कांग्रेस सरकार प्रदेश के विकास एवं जनता के हितों के लिए कार्य करने के लिए संकल्पित है।

- - - - - - - -

Created by Universal Document Converter